भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं .5384

जिसका उत्तर 03.04.2025 को दिया जाना है

मुंबई-गोवा राजमार्ग

5384. श्री नारायण तातू राणे:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने मुंबई-गोवा राजमार्ग पर चल रहे कार्यों का संज्ञान लिया है और यदि हां, तो इस मार्ग पर कार्य की धीमी प्रगति के क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार ने चिपलून, लांजा और पाली में फ्लाईओवर के अधूरे निर्माण कार्य का भी संज्ञान लिया है और यदि हां, तो फ्लाईओवर के अधूरे निर्माण कार्य के क्या कारण हैं और सरकार द्वारा उक्त कार्य पर शीघ्र कार्रवाई करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) अरावली से तलेकांटे के मार्ग तक अब तक पूरे किए गए कार्यों का ब्यौरा क्या है और अधूरे पड़े कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त अधूरे कार्यों के क्या कारण हैं और ऐसी सभी लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(ङ) शास्त्रीपुल-बहवंडी-संगमेश्वर-निवली सड़क पर अधूरे कार्य के क्या कारण हैं; और

(च) सरकार द्वारा इस कार्य में शीघ्रता लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) - 66 के विकास में विलंब, भूमि अधिग्रहण और निर्माण-पूर्व अन्य कार्यकलापों में देरी के साथ ही कुछ ठेकेदारों की नकदी समस्या के कारण हुआ। राज्य सरकार के साथ घनिष्ठ समन्वय से सभी लंबित मुद्दों का काफी हद समाधान कर लिया गया है और शेष कार्य कार्यान्वयन के अधीन हैं।

(ख) भूमि अधिग्रहण के मुद्दों के कारण लांजा और पाली में फ्लाईओवर के निर्माण में देरी हुई, जबकि चिपलून फ्लाईओवर के कार्य में देरी एक स्पैन के ढहने के कारण हुई। लांजा और पाली में फ्लाईओवर के लिए भूमि अधिग्रहण के मुद्दों का समाधान कर लिया गया है, जबकि उपरोक्त घटना के बाद चिपलून फ्लाईओवर के डिजाइन की समीक्षा की गई। तीनों फ्लाईओवर कार्यान्वयनाधीन है और उनका निर्माण चरणबद्ध तरीके से सितंबर, 2025 तक पूरा हो जाएगा।

(ग) से (च) शास्त्रीपुल-बहवंडी-संगमेश्वर-निवली सड़क एनएच-66 के अरावली से तालेकांटे खंड का हिस्सा है। भूमि अधिग्रहण और निर्माण-पूर्व अन्य कार्यकलापों में देरी के साथ ही ठेकेदार की नकदी की समस्या के कारण इस खंड में कार्य में विलंब हुआ। राज्य सरकार के साथ घनिष्ठ समन्वय में सभी लंबित मुद्दों का काफी हद तक समाधान कर दिया गया है और इस खंड की कुल 39.24 किलोमीटर लंबाई में से 30.68 किलोमीटर लंबाई में कार्य पूरा हो गया है। शेष लंबाई में कार्य कार्यान्वयनाधीन है, जिसे चरणबद्ध तरीके से सितंबर, 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा।

*****